

# Aam Aadmi Party

A-119, Kaushambi, Ghaziabad, U.P - 201010

Phone: +91 9718500606, Email: info@aamaadmiParty.org

www.aamaadmiParty.org | Facebook: AamAadmiParty | Twitter: @AamAadmiParty

दिनांक 25/06/2014

श्री नरेन्द्र मोदी,  
प्रधानमंत्री, भारत सरकार,  
नई दिल्ली

आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी,

चुनाव के पहले आपने लोगों से वादा किया था कि सत्ता में आने के बाद आप महंगाई और भ्रष्टाचार कम करेंगे। लेकिन पिछले एक महीने में आपने भ्रष्टाचार और महंगाई कम करने की बजाय कई चीजों के दाम बढ़ा दिए हैं जिसकी वजह से जनता में हाहाकार मच गया है।

हम देख रहे हैं कि आप भ्रष्टाचार दूर किए बिना चीजों के दाम बढ़ाते जा रहे हैं। इससे तो कोई फायदा नहीं है। जो अतिरिक्त पैसा आएगा वो भी चोरी हो जाएगा। जैसे आपने रेलवे के किराए बढ़ाए। हम सब जानते हैं कि रेलवे में कितना भ्रष्टाचार है। सरकार का कहना है कि बेहतर सुविधाएं देने के लिए रेलवे के किराए बढ़ायें हैं। पर हम आपकी बात कैसे मानें? हर साल किराया बढ़ाते वक्त सरकार यही बहाना तो देती है। लेकिन हम देखते हैं कि सुविधाएं सुधरने की बजाए और खराब हो जाती है। और किराया बढ़ाने से सरकार को जितना पैसा मिलता है, वो सारा भ्रष्टाचार में चोरी हो जाता है। इसलिए बेहतर होता कि यदि आप एक साल या 6 महीने तक रेलवे के किराए न बढ़ाते। इस दौरान आप रेलवे में भ्रष्टाचार कम करने के लिए कुछ सख्त कदम उठाते। हो सकता है कि आपको एक साल बाद रेलवे में किराए बढ़ाने ही नहीं पड़ते। ज़्यादा दुख की बात यह है कि आपने रेलवे में किराए तो बढ़ा दिए, लेकिन किराया बढ़ाते वक्त आपने रेलवे में भ्रष्टाचार कम करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया।

अखबारों में खबरें छप रही हैं कि अब आप जल्दी ही गैस के दाम भी बढ़ाने वाले हैं। हमें पहले ही शक था कि चुनाव के तुरंत बाद गैस के दाम बढ़ाये जाएंगे। हमारी आपसे प्रार्थना है कि गैस के दाम न बढ़ाये जाएं क्योंकि गैस के दाम बढ़ने से केवल मुकेश अंबानी जी को फायदा होगा। जनता पर तो महंगाई का और बोझ बढ़ जाएगा।

इस पत्र के माध्यम से मैं आपको समक्ष वो सभी साक्ष्य रख रहा हूँ जो यह दिखाते हैं कि देश में गैस के दाम बढ़ने की बजाय घटने चाहिए।

आज आप रिलायंस से एक यूनिट गैस \$4.205 में खरीदते हैं। इस गैस को निकालने का रिलायंस को एक डॉलर से भी कम खर्चा आता है। इसका मतलब रिलायंस को 325% से भी ज़्यादा मुनाफा हो रहा है। रिलायंस को गैस निकालने का खर्च एक डॉलर से भी कम आता है, इस बात के सबूत मैं नीचे दे रहा हूँ -

- 1) निक्को कंपनी गैस निकालने में रिलायंस कंपनी की पार्टनर है। निक्को कंपनी ने कनाडा की सरकार को 31 मार्च 2012 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष का लेखा-जोखा दिया जिसकी प्रति संलग्न है। इन कागजों के मुताबिक भारत में रिलायंस के साथ मिलकर निक्को कंपनी का गैस निकालने का खर्च \$0.43 से \$0.74 प्रति यूनिट तक आता है। इन कागजों के मुताबिक रॉयल्टी इत्यादि घटाने के बाद रिलायंस और निक्को को \$3.02 से \$3.31 प्रति यूनिट तक का मुनाफा होता है।
- 2) रिलायंस ने खुद 22 मई 2009 को भारत सरकार को एक चिट्ठी लिखी थी जिसकी कॉपी संलग्न है। इस चिट्ठी के मुताबिक रिलायंस का गैस निकालने का खर्च \$0.8945 प्रति यूनिट आता है।
- 3) मुकेश अंबानी और अनिल अंबानी, दोनों भाइयों के बीच झगड़ा हुआ। अनिल अंबानी मुकेश अंबानी से गैस खरीदना चाहते थे। झगड़ा इस बात का था कि अनिल अंबानी को गैस किस रेट पर बेची जाए। मामला मुंबई हाई कोर्ट में गया। उस वक्त मुकेश अंबानी जी NTPC को 17 वर्ष के लिए प्रति यूनिट गैस \$2.34 में बेचना चाहते थे (ना कि \$4.205)। रिलायंस ने मुंबई हाई कोर्ट के सामने कबूला कि \$2.34 के दाम पर भी रिलायंस को काफी मुनाफा हो रहा था। उन दिनों डॉलर की कीमत 47.4 रुपये प्रति डॉलर थी। इसका मतलब रिलायंस को NTPC से प्रति यूनिट गैस के 110.9 रुपये मिलते और उतने रेट पर भी उसे फायदा हो रहा था। उसके बाद 01-04-2009 से भारत सरकार ने गैस के दाम बढ़ा कर \$ 4.205 प्रति यूनिट कर दिए। आज डॉलर की कीमत 60.2 रुपये प्रति डॉलर है। इस हिसाब से रिलायंस को आज 252.8 रुपये प्रति यूनिट के हिसाब से दाम मिल रहे हैं। तो यदि रिलायंस को 2009 के पहले 110.9 रुपये प्रति यूनिट पर फायदा हो रहा था तो आप सोच सकते हैं कि महंगाई दर लगाने के बावजूद भी 252.8 रुपये प्रति यूनिट दाम पर रिलायंस को कितना फायदा हो रहा होगा।

इससे साफ़ जाहिर है कि \$4.025 के दाम पर रिलायंस को बहुत मोटा फायदा हो रहा है। अन्य देशों के मुकाबले भारत में गैस का यह रेट बहुत ज़्यादा अधिक है। कुछ अन्य देशों में गैस के रेट निम्नलिखित हैं -

देश	गैस का रेट ( \$ )
रूस	\$ 2.6
अमरीका	\$ 3.3
बांग्लादेश	\$ 2.34

CAG ने रिलायंस के खातों का ऑडिट करने की कोशिश की, लेकिन रिलायंस ने पूरे खाते दिखाने से मना कर दिया। प्रश्न उठता है कि रिलायंस के खाते सही हैं तो वो अपने सभी खाते CAG को क्यों नहीं दिखाते? जितने भी खाते रिलायंस ने CAG को दिखाए, उन सभी में CAG को भारी गड़बड़ी मिली है। इस मामले में CAG अभी तक सरकार को दो रिपोर्ट दे चुका है। दोनों रिपोर्टों में CAG ने रिलायंस के खातों में भारी पैमाने पर भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी के मामले पाए हैं। उन सभी मामलों पर कार्रवाई किए बिना रिलायंस को फायदा पहुंचाने के लिए गैस के दाम बढ़ा देना, देश के लोगों के साथ बहुत बड़ा धोखा हो जाएगा।

सरकारी कंपनी ONGC ने दिल्ली हाई कोर्ट में रिलायंस कंपनी के खिलाफ केस किया है कि रिलायंस ने ONGC की 30 हजार करोड़ रुपये की गैस चोर कर ली है। ऐसी कंपनी जो खुले आम सरकारी गैस की चोरी करती हो, उसके खिलाफ तो FIR दर्ज होनी चाहिए और उन्हें गिरफ्तार होना चाहिए।

रिलायंस को तेल और गैस के ये कुएं इसलिए दिए गए थे ताकि वो तेल और गैस निकालकर देश की जरूरतों को पूरा कर सकें। रिलायंस को 80MMSCM गैस प्रतिदिन उत्पादन करना था। रिलायंस इसका 10 प्रतिशत उत्पादन भी नहीं कर रही थी। आरोप है कि रिलायंस गैस की जमाखोरी कर रही है और जान-बूझकर देश में गैस की कमी पैदा कर रही है ताकि वो सरकार को गैस के दाम बढ़ाने के लिए ब्लैकमेल कर सके। रिलायंस की इन गतिविधियों की वजह से सरकार को बहुत महंगे दामों पर गैस विदेशों से आयात करनी पड़ रही है। अब सरकार को ये तय करना है कि क्या सरकार मुकेश अंबानी जी की ब्लैकमेलिंग के सामने घुटने टेक देगी अथवा रिलायंस के खिलाफ सख्त कार्रवाई करके इन गलत गतिविधियों पर रोक लगाएगी?

जब भाजपा विपक्ष में थी और जब तत्कालीन यूपीए सरकार गैस के दाम बढ़ाने की कोशिश कर रही थी, तो भाजपा ने जमकर विरोध किया था। श्री यशवंत सिंहा संसदीय स्टैंडिंग कमिटी के अध्यक्ष थे और उस कमिटी ने कड़े शब्दों में सिफारिश की थी कि गैस के दाम नहीं बढ़ाने चाहिए। अभी मार्च के महीने में भी श्री रविशंकर प्रसाद ने भी बयान दिया था कि भाजपा स्टैंडिंग कमिटी की सिफारिशों से पूर्णतया सहमत हैं।

यदि आप विपक्ष में रहते हुए गैस के दाम बढ़ाने के विरोध में थे तो अब आपकी अपनी सरकार बनने के बाद गैस के दाम क्यों बढ़ा रहे हैं?

भ्रष्टाचार को रोके बिना हर चीज़ के दाम बढ़ा देना ठीक बात नहीं है। जब CAG की रिपोर्टों में साफ़-साफ़ लिखा है कि रिलायंस किस तरह से भारी धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार कर रही है, तो आपको उस भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी के खिलाफ सख्त कार्रवाई किए बिना गैस के दाम नहीं बढ़ाने चाहिए— ऐसी मेरी प्रार्थना है।

यदि आपने गैस के दाम बढ़ा दिए तो इससे देश में काफी महंगाई हो जाएगी। CNG, PNG, खाद और बिजली—सब महंगी हो जाएंगी।

इसलिए आपसे नम्र निवेदन है कि आप कृपया गैस के दाम बढ़ाने के अपने फैसले पर पुनर्विचार करें।

आपका भवदीय

अरविंद केजरीवाल

Extract from submissions made by Arlko before Canadian Govt.

**Production History**

The following tables set forth the average daily production volumes, average price received, royalties, profit petroleum production costs and the resulting netbacks for the periods indicated as at March 31, 2012:

Average Daily Production Working Interest to the Company Year Ended March 31, 2012				
	Quarter Ended			
	June 30, 2011	September 30, 2011	December 31, 2011	March 31, 2012
<b>India</b>				
Oil (bbls/d)	1,594	1,669	1,278	1,461
NGL (bbls/d)	225	220	200	160
Gas (Mcf/d)	178,992	167,968	150,701	131,449
Mcf/d - India	189,905	179,299	159,570	141,173
<b>Bangladesh</b>				
Oil (bbls/d)	-	-	-	-
NGL (bbls/d)	182	191	189	199
Gas (Mcf/d)	55,269	60,129	58,428	61,368
Mcf/d - Bangladesh	56,359	61,276	59,559	62,559
Mcf/d - Total	246,264	240,575	219,129	203,732

Netback History - India <sup>(1)</sup> Natural Gas Year Ended March 31, 2012				
	Quarter Ended			
	June 30, 2011	September 30, 2011	December 31, 2011	March 31, 2012
Average Price Received (US\$/Mcf)	4.10	4.11	4.10	4.11
Royalties (US\$/Mcf) <sup>(1)</sup>	(0.25)	(0.25)	(0.25)	(0.25)
Profit Petroleum (US\$/Mcf) <sup>(1)</sup>	(0.11)	(0.08)	(0.13)	(0.10)
Production Costs (US\$/Mcf)	(0.43)	(0.48)	(0.52)	(0.74)
Netback (US\$/Mcf)	3.31	3.30	3.20	3.02

Netback History - Bangladesh <sup>(1)</sup> Natural Gas Year Ended March 31, 2012				
	Quarter Ended			
	June 30, 2011	September 30, 2011	December 31, 2011	March 31, 2012
Average Price Received (US\$/Mcf)	2.31	2.30	2.32	2.32
Royalties (US\$/Mcf) <sup>(1)</sup>	-	-	-	-
Profit Petroleum (US\$/Mcf) <sup>(1)</sup>	(0.90)	(0.88)	(0.89)	(0.90)
Production Costs (US\$/Mcf)	(0.41)	(0.29)	(0.42)	(0.24)
Netback (US\$/Mcf)	1.00	1.13	1.01	1.18

Reliance  
Industries Limited  
Petroleum Business (E & P)

Reliance Companies P & K Building, No. 6 section Floor, C-Wing,  
Taegu Belapur Road, Navi Mumbai – 400 701, Tel. 022 44770265,  
Fax No. 022-44710030,

May 22, 2009

Shri V. K. Sibal

Director General

Directorate General of Hydrocarbon

C-139, Sector, 83, Noida – 201301 (UP) India

Dear Sir,

Sub.: Royalty on Natural Gas – (D1 & D3 field- KG-DWN 98/3)

1. We refer to Gazette Notification dated 20 August, 2007 pursuant to which certain amendments to the Schedule of the Oilfields (Regulation and Development) Act, 1948 were carried out. Under the terms of this amendment notification, in case of production from a new field under the PSC, the post well head cost for the first year may be provisionally estimated by the lessee and duly certified by DGH and final adjustment shall be made within 120 days from the end of the first year, based on audited accounts for the year.
2. Under the terms of the above mentioned notification, we have calculated the post wellhead costs as follows:  
Per unit rate of Post wellhead Cost = A+B+C  
Per unit rate of PWH Development Expenditure (A)  
Per unit rate of PWH Production Expenditure ( B)  
Per unit rate of Interest Cost on PWH Development Expenditure (C ) Where,

A = Cum PWH development: Exp  
Recoverable Reserves

B = Production Expenditure for the Year  
Production for the year

C = Interest on cum PWR Development Exp.  
Recoverable Reserves



3. The wellhead cost per/unit (MMBTU) of Natural Gas in accordance to the above notification works out to US \$ 0.8945 per MMBTU, and accordingly the wellhead value for the purpose of payment of Royalty works out to US \$ 3.3105 per MMBTU (US \$ 4.205 – US \$0.8845). The details of calculation are enclosed at Annexure – I for ready reference.
4. As you are aware that production from D1 & D3 field in block KG-DWN-98/3 block commenced from April 2, 2009 and as such we are required to discharge our liability for royalty payment for petroleum produced and saved from the said field on a monthly basis as Article 17.4 of the PSC. In this respect, we hereby submit the provisional estimates of post well head cost per unit for the year 2009-10 as required under Notification, which works out to US \$ 0.8945 per MMBTU for DGH certification.
5. We also refer to letter issued by the DGH dated 23 April 2008 providing clarification that only opex on transportation from wellhead to delivery point should be forming part of post wellhead costs. We believe that this clarification issued by the DGH is not in conformance with the Gazette Notification of 20 August 2007 amending the Schedule of the Schedule of the Oilfields (Regulation and Development) Act 1948 and is also not in line with the generally accepted international industry practices for computation of well head value. This issue has been brought to the notice of MoPNG and DGH in our various communications over the past few months.
6. Though we do not agree with the abovementioned clarification issued by the DGH, we have also calculated the post wellhead cost per unit (MMBTU) of Natural Gas on the that basis and which works out to be US \$ 0.2211 per MMBTU and accordingly the wellhead value would be US\$ 3.9839 per MMBTU (US\$4.205 – US \$ 0.2211). The details of the calculations are enclosed in Annexure –II for your ready reference.
7. As royalty on D1 and D3 gas for the month of April 2009 is required to be paid before 31 May 2009, we request you to certify the provisional estimates of per unit rate of post wellhead cost calculated in paragraphs 3 and 4 of this letter. Please note that in case we do not receive any certification from you, we